चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	5.3.23	5	2-6

कृषि महाविद्यालय में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर

स्वयंसेवक श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को करें धारण: कमल गुप्ता

हिसार (सच कहूँ/श्याम सुन्दर सरदाना)। स्वयंसेवकों को आत्म-निर्भर व अच्छा नागरिक बनकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें और उसी दिशा में व्यावहारिक रूप से काम करें। हम भाष, रूप, वेशभूषा, रहन-सहन आदि में अलग हो सकते हैं लेकिन सबसे पहले हम भारतीय है। ये विचार हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि स्थानीय शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहे। उन्होंने कहा कि आज हम सशक्त और शक्तिशाली है, कभी वो समय था जब हमारे देश पर अंग्रेजी हुकुमतों ने 200 साल तक शासन कर अत्याचार किए और हमारी सभ्यता को नष्ट करने का काम किया। उस समय महारानी लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे वीर सपूतों और सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर, आजाद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारी सभ्यता को अपने प्राण न्यौछावर कर बचाया। इसलिए हमें छोटे-बड़े अवसरों पर ऐसे शहीदों को याद करना चाहिए। समापन समारोह में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

हिसार। मुख्यातिथि डॉ. कमल गुप्ता विजेताओं को प्रशिस्त पत्र देते हुए।

क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को जाना है, जिससे वे अपने अंदर अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा जैसे गुणों को पैदा कर समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने छोटे भारत के स्लोगन की झलक भी दिखाई है, जोकि अनेकता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों को सकारात्मक सोच के साथ दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। क्योंकि युवा शक्ति पर ही इस देश का भार टिका है। साथ ही कैंप में नारी शक्ति, जय जवान जय किसान के स्लोगनों को भी चरितार्थ किया गया, जोकि देश की अखंडता व एकता को दर्शाता है। शिविर में देश के 13 राज्यों जिनमें उड़ीसा, पंजाब, असम, सिक्किम, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर व हरियाणा राज्यों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया था। इस अवसर पर डॉ. अनिल ढाका, राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. भगत सिंह, शिविर समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर, दिल्ली से आए मनोज व देशराज सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5.3.23	4	1-4

आयोजन

उड़ीसा, पंजाब, असम, सिक्किम, महाराष्ट्र, तेलंनगाना, आंध्र प्रदेश सहित 13 राज्यों के स्वयंसेवकों ने लिया भाग

एक दूसरे की संस्कृति की यादों को साथ लेकर लौटे स्वयंसेवक

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एनएसएस शिविर के समापन पर शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने स्वयंसेवकों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए।

इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें और उसी दिशा में व्यावहारिक रूप से काम करें। हम भाषा, रूप, वेशभूषा, रहन-सहन आदि में अलग हो सकते हैं, लेकिन सबसे पहले हम भारतीय हैं।

सात दिवसीय शिविर के समापन पर स्वयंसेवक एक दूसरे की संस्कृति की यादों को साथ लेकर लौटे। समापन समारोह में क्षेत्रीय निदेशक जैंग जिलोंग ने कहा कि समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें। शिविर में देश के 13 राज्यों जिनमें उड़ीसा, पंजाब, असम, सिक्किम, महाराष्ट्र, तेलंनगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलानाडु, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर व हरियाणा राज्यों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया था।

हिसार में शहरी निकाय मंत्री डॉ.कमल गुप्ता स्वयं सेवकों को सम्मानित करते। संवाद

तमिलनाडु के कृष्णा, पश्चिम बंगाल के एसके शाहबाज हुसैन और जम्मू-कश्मीर की फराहना मंजूर ने स्वयंसेवकों ने शिविर के अनुभवों को मुख्यातिथि के सामने साझा किए।

विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपने लोक-नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध किया। मंच संचालन छात्रा अन्नू ने किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सभी का स्वागत किया, जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल ढाका, राष्ट्रीय सेवा योजना अवॉर्डी डॉ. भगत सिंह, शिविर समन्यवक डॉ. चंद्रशेखर डागर, मनोज व देशराज सहित अन्य मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	5-3-23	10	2-6

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में शिविर के समापन पर बोले निकाय मंत्री

स्वयंसेवक श्रेष्ठ और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें

हमारी भाषा, वेशभूषा, रहन-सहन, रंग, धर्म व जाति अलग हो सकती है, लेकिन बावजूद इसके हम सब सबसे पहले भारतीय है जिसे कभी नही भूलना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। विजेता टीम के साथ मुख्यातिथि डॉ. कमल गुप्ता व अन्य। फोटो : हरिभूमि

स्वयंसेवकों को आत्म-निर्भर व अच्छा नागरिक बनकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें और उसी दिशा में व्यवहारिक रूप से काम करें। हम भाष, रूप, वेशभूषा, रहन-सहन आदि में अलग हो सकते हैं लेकिन सबसे पहले हम भारतीय है। यह बात हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि स्थानीय शहरी निकाय मंत्री डॉ. सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आज हम सशक्त और शक्तिशाली है, कभी वो समय था जब हमारे देश पर अंग्रेजी हुकुमतों ने 200 साल तक शासन कर अत्याचार किए और हमारी सभ्यता को नष्ट करने का काम किया।

उस समय महारानी लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे वीर सपूतों और सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारी सभ्यता को समापन समारोह में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

सकारात्मक सोच से आगे बढ़ें : जैंगजिलांग

क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने छोटे भारत के स्लोगन की झलक भी दिखाई है, जोकि अनेकता में एकता का प्रतीक है।

स्वयंसेवकों ने सांझा किए अपने अनुभव

इस शिविर में देश के 13 राज्यों जिनमें उड़ीसा, पंजाब, असम, सिक्किम, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान था, जिनके साथ 13 कार्यक्रम अधिकारी भी मौजूद रहे। तमिलनाडु के कृष्णा, पश्चिम बंगाल के एसके शाहाबाज हुसैन और जम्मू-कश्मीर की फराहना मंजूर स्वयंसेवकों ने शिविर के अनुभवों को मुख्यातिथि के सामने साझा किए। इस मौके पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. अनिल ढाका, राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. भगत सिंह शिविर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5.3.23	2	3.6

स्वयंसेवक श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें: डॉ. गुप्ता

मुख्यातिथि विजेता टीम के साथ।

हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का समापन समारोह आयोजित

हिसार, 4 मार्च (ब्यूरो): स्वयंसेवकों को आत्म-निर्भर व अच्छा नागरिक बनकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें और उसी दिशा में व्यवहारिक रूप से काम करें। हम भाष, रूप, वेशभूषा, रहन-सहन आदि में अलग हो सकते हैं लेकिन सबसे पहले हम भारतीय हैं।

ये विचार हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि स्थानीय शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहे। उन्होंने कहा कि आज हम सशक्त और शक्तिशाली है, कभी वो समय था जब हमारे देश पर अंग्रेजी हुकुमतों ने 200 साल तक शासन कर अत्याचार किए और हमारी सभ्यता को नष्ट करने का काम किया। उस समय महारानी लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे वीर सपूतों और सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारी सभ्यता को अपने प्राण न्यौछावर कर बचाया। इसलिए हमें छोटे-बड़े अवसरों पर ऐसे शहीदों को याद करना चाहिए।

स्वयंसेवकों को सकारात्मक सोच के साथ समाज को आगे बढ़ाने की जरूरत : जैंगजिलांग

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों से आए स्वयं सेवकों ने एक-दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को जाना है, जिससे वे अपने अंदर अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा जैसे गुणों को पैदा कर समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने छोटे भारत के स्लोगन की झलक भी दिखाई है, जोकि अनेकता में एकता का प्रतीक है।

स्वयंसेवकों ने शिविर के अनुभवों को मुख्यातिथि के सामने किए साझा

इस शिविर में देश के 13 राज्यों जिनमें उड़ीसा, पंजाब, असम, सिक्किम, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडू, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर व हरियाणा राज्यों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया था, जिनके साथ 13 कार्यक्रम अधिकारी भी मौजूद रहे। तमिलनाडू के कृष्णा, पश्चिम बंगाल के एसके शाहाबाज हुसैन और जम्मू-कश्मीर की फराहना मंजूर स्वयंसेवकों ने शिविर के अनुभवों को मुख्यातिथि के सामने साझा किए। समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपने लोक-नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध किया। समारोह के दौरान मुख्यातिथि ने विजेताओं को प्रशिस्त पत्र देकर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5.03.23	5	7-8

स्वयंसेवक श्रेष्ठ और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें

मुख्यातिथि डॉ. कमल गुप्ता विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देते हुए।

जागरण संवाददाता, हिसार : स्वयंसेवकों को आत्म-निर्भर व अच्छा नागरिक बनकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें और उसी दिशा में व्यावहारिक रूप से काम करें। हम भाषा, रूप, वेशभूषा, रहन-सहन आदि में अलग हो सकते हैं लेकिन सबसे पहले हम भारतीय है। ये विचार हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि स्थानीय शहरी निकाय मंत्री डा. कमल गुप्ता ने कहे। उन्होंने कहा कि आज हम सशक्त और शक्तिशाली है, कभी वो समय था जब हमारे देश पर अंग्रेजी हुकूमतों ने 200 साल तक शासन कर अत्याचार किए और हमारी सभ्यता को नष्ट करने का काम किया।

सकारात्मक सोच के साथ समाज को आगे बढ़ाने की जरूरत

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. जौगजिलांग ने कहा कि स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा को जाना है, जिससे वे अपने अंदर अनुशासन, समाज सेवा जैसे गुणों को पैदा कर समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें।

शिविर में 13 राज्यों के स्वयंसेवकों ने लिया भाग

इस शिविर में देश के 13 राज्यों जिनमें उड़ीसा, पंजाब, असम, सिक्किम, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर व हरियाणा राज्यों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया था, जिनके साथ 13 कार्यक्रम अधिकारी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5.3.23	5	4

स्वयंसेवक श्रेष्ठ भारत के संकल्प को धारण करें : डॉ. कमल गुप्ता

सिटी रिपोर्टर • स्वयंसेवकों को आत्म-निर्भर व अच्छा नागरिक बनकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें । हम भाष, रूप, वेशभूषा, रहन-सहन आदि में अलग हो सकते हैं लेकिन सबसे पहले हम भारतीय है। ये विचार एचएयू के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि स्थानीय शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहे। समापन समारोह में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर डॉ. अनिल ढाका, राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, शिविर समन्वयक डॉ. चंद्रशेखर डागर, मनोज व देशराज सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5.3.23	6	1-3

स्वयं सेवक श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें : डॉ. गुप्ता

मुख्यातिथि डॉ. कमल गुप्ता विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देते हुए।

हिसार, 4 मार्च (विरेंद्र वर्मा) : स्वयंसेवकों को आत्म-निर्भर व अच्छा नागरिक बनकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें और उसी दिशा में व्यवहारिक रूप से काम करें। हम भाष, रूप, वेशभूषा, रहन-सहन आदि में अलग हो सकते हैं लेकिन सबसे पहले हम भारतीय है। ये विचार हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि स्थानीय शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहे। उन्होंने कहा कि आज हम सशक्त और शक्तिशाली है, कभी वो समय था जब हमारे देश पर अंग्रेजी हुकुमतों ने 200 साल तक शासन कर अत्याचार किए और हमारी सभ्यता को नष्ट करने का काम किया। उस समय महारानी लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे वीर सपूतों और सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारी सभ्यता को अपने प्राण न्यौछावर कर बचाया। इसलिए हमें छोटे-बड़े अवसरों पर ऐसे शहीदों को याद करना चाहिए। समापन समारोह में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

स्वयंसेवकों को सकारात्मक सोच के साथ समाज को आगे बढ़ाने की जरूरत : जैंगजिलांग

क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को जाना है, जिससे वे अपने अंदर अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा जैसे गुणों को पैदा कर समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने छोटे भारत के स्लोगन की झलक भी दिखाई है, जोकि अनेकता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों को सकारात्मक सोच के साथ दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है क्योंकि युवा शक्ति पर ही इस देश का भार टिका हैं। साथ ही कैंप में नारी शक्ति, जय जवान जय किसान के स्लोगनों को भी चरितार्थ किया गया, जोकि देश की अखंडता व एकता को दर्शाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	04.03.2023	-------	--------

स्वयंसेवक श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें: डॉ. कमल गुप्ता

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 04 मार्च

हिसार। स्वयंसेवकों को आत्म-निर्भर व अच्छा नागरिक बनकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए। इसके लिए हमें एकजुट होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें और उसी दिशा में व्यवहारिक रूप से काम करें। हम भाषा, रूप, वेशभूषा, रहन-सहन आदि में अलग हो सकते हैं लेकिन सबसे पहले हम भारतीय हैं। ये विचार हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में मुख्यातिथि स्थानीय शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहे। उन्होंने कहा कि आज हम सशक्त और शक्तिशाली हैं, कभी वो समय था जब हमारे देश पर अंग्रेजी हुकुमतों ने 200 साल तक शासन कर अत्याचार किए और हमारी सभ्यता को नष्ट करने का काम किया। उस समय महारानी लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे वीर सपूतों और सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारी सभ्यता को अपने प्राण न्यौछावर कर बचाया इसलिए हमें छोटे-बड़े अवसरों पर ऐसे शहीदों को याद करना चाहिए। समापन समारोह में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को जाना है, जिससे वे अपने अंदर अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा जैसे गुणों को पैदा कर समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	04.03.2023	--------	--------

हिसार: श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें स्वयंसेवक: डॉ. कमल गुप्ता

04 Mar 2023 18:15:00

हिसार, 04 मार्च (हि.स.)। प्रदेश के शहरी निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर व अच्छा नागरिक बनकर समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ लड़ना चाहिए। इसके लिए वे मजबूत होकर एक भारत, श्रेष्ठ व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धारण करें और उसी दिशा में व्यावहारिक रूप से काम करें। हम भाषा, वेशभूषा, रहन-सहन आदि में अलग हो सकते हैं लेकिन सबसे पहले हम भारतीय हैं। डॉ. कमल गुप्ता शनिवार को एचएयू के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज हम सशक्त और शक्तिशाली हैं, कभी वो समय था जब हमारे देश पर अंग्रेजी हुकूमतों ने 200 साल तक शासन कर अत्याचार किए और हमारी सभ्यता को नष्ट करने का काम किया। उस समय महारानी लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे वीर सपूतों और सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारी सभ्यता को अपने प्राण न्यौछावर कर बचाया। इसलिए हमें छोटे-बड़े अवसरों पर ऐसे शहीदों को याद करना चाहिए। समापन समारोह में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से क्षेत्रीय निदेशक जैसविलास विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

क्षेत्रीय निदेशक जैसविलास ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने एक दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को जाना है, जिससे वे अपने अंदर अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा जैसे गुणों को पैदा कर समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने छोटे भारत के माहौल की झलक भी दिखाई है, जोकि अनेकता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि स्वयंसेवकों को सकारात्मक सोच के साथ दूसरों का साथ लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है।

इस शिविर में देश के 13 राज्यों जिसमें उड़ीसा, पंजाब, असम, सिक्किम, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर व हरियाणा राज्यों के स्वयंसेवकों ने भाग लिया था जिनके साथ 13 कार्यक्रम अधिकारी भी मौजूद रहे। तमिलनाडु के कृष्णा, पश्चिम बंगाल के एलके शाहजहां [illegible] और जम्मू-कश्मीर की फराहत मंजूर स्वयंसेवकों ने शिविर के अनुभवों को मुख्यातिथि के सामने सांझा किया। समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने अपने लोक-नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. [illegible], राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. भगत सिंह, शिविर समन्वयक डॉ. [illegible], दिल्ली से आए [illegible] व देवराज सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने विजेताओं को [illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	04.03.2023	--------	--------

स्वयंसेवकों को सकारात्मक सोच के साथ समाज को आगे बढ़ाने की जरूरत : जैंगजिलांग

हकृवि के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का हुआ समापन समारोह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुसाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	05.03.2023	-------	--------

डॉ अशोक कुमार गोदारा प्रधान व डा. सोमवीर होटा के सचिव चुने गए

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज होटा 2023-25 यूनियन के प्रेसिडेंट और सेक्रेटरी पदों पर चुनाव हुए। मीडिया एडवाइजर डॉक्टर संदीप आर्य ने बताया कि प्रेसिडेंट पद पर डॉ अशोक कुमार गोदारा ने डॉ राकेश कुमार को 54 वोट से मात दी। डॉ अशोक कुमार गोदारा को कुल 273 और डॉ राकेश कुमार को 219 वोट मिले थे। इसी प्रकार सेक्रेटरी पद पर डॉक्टर सोमवीर को 284 ओर डॉ अमित लुहाच को 213 वोट मिले थे, जिसमे डॉ सोमवीर ने 71 अधिक वोट हासिल कर सेक्रेटरी पद पर अपनी जीत दर्ज की। डॉक्टर आर्य ने बताया कि इससे पहले वाईस प्रेसिडेंट पद पर डॉ कृष्ण यादव, डॉक्टर दिनेश को जॉइंट सेक्रेटरी व कोषाध्यक्ष पद पर डॉ कौटिल्या चौधरी को निर्विरोध चुना गया। इसी प्रकार डॉ अशोक कुमार डॉक्टर छवि सिरोहा, डॉक्टर हरबिंदर सिंह, डॉ पवन कुमार पुनिया, डॉक्टर संजय, डॉक्टर सुबोध अग्रवाल व डॉक्टर सुशील नागर को सदस्य के रूप में निर्विरोध चुना गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	6-03-23	4	7-8

डा. अशोक कुमार गोदारा बने हौटा के नए प्रधान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हौटा के चुनाव में प्रधान पद से विजेता रहे डा अशोक गोदारा । • जागरण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हौटा के चुनाव में सचिव पद से विजेता रहे डा सोमबीर । • जागरण

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हौटा 2023-25 यूनियन के प्रधान और सचिव पदों पर चुनाव हुए। इसके लिए वोटिंग बेसिक साइंस कालेज में हुई। प्रधान पद पर डा. अशोक कुमार गोदारा ने डा. राकेश कुमार को 54 वोट से हराया। डा. अशोक कुमार गोदारा को 273 और डा. राकेश कुमार को 219 वोट मिले। इसी प्रकार सचिव पद पर डा. सोमवीर को 284 और डा. अमित लुहाच को 213 वोट मिले। इसमें डा. सोमवीर ने 71 वोट से जीत हासिल की। इससे पहले उप प्रधान पद पर डा. कृष्ण यादव, डा. दिनेश को ज्वाइंट सेक्रेटरी व कोषाध्यक्ष पद पर डा. कौटिल्या चौधरी को निर्विरोध चुना गया। इसी प्रकार डा. अशोक कुमार, डा. छवि सिरोहा, डा. हरबिंदर सिंह, डा. पवन कुमार पुनिया, डा. संजय, डा. सुबोध अग्रवाल व डा. सुशील नागर को सदस्य निर्विरोध चुना गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5.3.17	3	4

हौटा के नए प्रेसिडेंट बने डॉ. गोदारा

हिसार, 4 मार्च (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में टीचर एसोसिएशन (हौटा) के

प्रेसिडेंट और सेक्रेटरी पदों पर चुनाव हुए। मीडिया एडवाइजर डॉक्टर संदीप आर्य ने बताया कि प्रेसिडेंट पद पर डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने डॉ. राकेश कुमार को 54 वोट से मात दी।

डॉ.अशोक कुमार गोदारा को 273 और डॉ. राकेश कुमार को 219 वोट मिले थे। इसी प्रकार सेक्रेटरी पद पर डॉ. सोमवीर को 284 और डॉ.अमित लुहाच को 213 वोट मिले थे, जिसमे डा. सोमवीर ने 71 अधिक वोट हासिल कर सेक्रेटरी पद पर अपनी जीत दर्ज की। डॉ. आर्य ने बताया कि इससे पहले वाईस प्रेसिडेंट पद पर डॉ.कृष्ण यादव, डॉ. दिनेश को जॉइंट सेक्रेटरी व कोषाध्यक्ष पद पर डॉ. कौटिल्या चौधरी को निर्विरोध चुना गया। इसी प्रकार डॉ. अशोक कुमार, डॉ. छवि सिरोहा, डॉ. हरबिंदर सिंह, डॉ. पवन पूनिया, डॉ. संजय, डा.सुबोध अग्रवाल व डॉ. सुशील नागर को सदस्य के रूप में निर्विरोध चुना गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.3.23	5	5-6

डॉ. अशोक बने होटा के नए प्रेसिडेंट

हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को होटा के प्रेसिडेंट और सेक्रेटरी पदों पर चुनाव हुए। सिडेंट पद पर डॉ अशोक कुमार गोदारा ने डॉ राकेश कुमार को 54 वोट से मात दी। मीडिया एडवाइजर डॉक्टर संदीप आर्य ने बताया कि सुबह 9 बजे प्रेसिडेंट और सेक्रेटरी पदों पदों के लिए बेसिक साइंस विभाग में वोटिंग शुरू हुई। यहां पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल भी तैनात की गई थी। प्रेजीडेंट पद पर डॉ. राकेश कुमार और डॉ. अशोक कुमार गोदारा चुनाव मैदान में थे। जबकि सेक्रेटरी पद पर डॉ. सोमवीर और डॉ. अमित लुहाच प्रत्याशी थी। प्रत्याशी वोटरों से अपने पक्ष मे मतदान करने की अपील कर रहे थे। प्रेसिडेंट पद पर डॉ अशोक कुमार गोदारा ने डॉ राकेश कुमार को 54 वोट से मात दी। डॉ अशोक कुमार गोदारा को कुल 273 और डॉ राकेश कुमार को 219 वोट मिले थे। इसी प्रकार सेक्रेटरी पद पर डॉक्टर सोमवीर को 284 और डॉ अमित लुहाच को 213 वोट मिले थे, जिसमे डॉ सोमवीर ने 71 अधिक वोट हासिल कर जीत हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	04.03.2023	-------	--------

हकृवि में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला 10 से शुरू

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों व उनकी कार्य प्रणाली को जानने का मिलेगा अवसर

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 4 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 10 से 12 मार्च तक हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का आयोजन किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने संबंधित अधिकारियों की मीटिंग लेकर दिशा-निर्देश दिए। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के साथ मिलकर किया जाएगा एवं इस मेले का विषय 'प्राकृतिक खेती' होगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती आज समय की मांग है। पर्यावरण सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य के लिए यह बेहतर कृषि पद्धति है। इससे भूमि की गुणवत्ता में सुधार होता है और किसानों की आमदनी भी बढ़ती है। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में सभी जानकारियां दी जाएंगी।

कुलपति के अनुसार मेले में किसानों के साथ बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी।

किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त किसानों को इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। इस मेले के दौरान मुख्यमंत्री प्रगतिशील किसान सम्मान योजना के तहत प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया जाएगा। मेले में पहुंचने वाले किसानों को लकी-ड्रॉ के तहत कृषि उपकरण वितरित किए जाएंगे। मेले के दौरान प्रतिदिन किसानों की भलाई के लिए सम-सामयिक विषयों (कृषि में महिलाओं का योगदान, प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन तकनीक का प्रयोग, आदि) पर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के कृषि मेला ग्राउंड, गेट न. 3 के सामने लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई खरीफ फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृह-विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर उन्नत नस्ल के पशुओं की प्रदर्शनी तथा फसल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

सह-निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग जारी है। यह बुकिंग चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा, बागवानी विभाग, हरियाणा एवं चैम्बर ऑफ इंडियन इंडस्ट्रिज द्वारा किया जा रहा है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

यहां उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हर साल मार्च में कृषि मेला आयोजित करता है जिसमें हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान भाग लेते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	6.03.23	2	1-6

कपास को गुलाबी सुंडी से बचाएं किसान

बिजाई के समय से ही अभियान चलाना होगा, हर 10 से 15 दिन में करते रहें मुआयना

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कपास की फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप बढ़ सकता है। इसके लिए किसानों को अभी से सतर्कता बरतनी होगी। कृषि अधिकारी कपास की बिजाई के समय से ही किसानों को जागरूक करेंगे। उन्हें कपास की फसल का हर 15 दिन में मुआयना करने के लिए प्रेरित करेंगे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने कपास की फसल को लेकर अपनी सिफारिशें जारी की हैं।

वर्ष 2021 में 19.25 लाख एकड़ कपास बिजाई का लक्ष्य रखा था। इसके बाद 15.90 लाख एकड़ में कपास उगाई गई थी। कपास का एरिया कम करने के पीछे गुलाबी सुंडी के असर को माना गया था। खरीफ-2022 सीजन के लिए कपास का रकबा 3.35 लाख एकड़ बढ़ा दिया था। इस बार भी 18 से 19 लाख एकड़ में कपास की बिजाई का अनुमान है।

गुलाबी सुंडी के प्रकोप से प्रभावित कपास की फसल। फाइल फोटो

एचएयू देगा किसानों को प्रशिक्षण

प्रदेश में कपास मुख्य रूप से सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, जींद, सोनीपत, पलवल गुरुग्राम, फरीदाबाद, रेवाड़ी, चरखी दादरी, नारनौल, झज्जर, पानीपत, कैथल, रोहतक और मेवात जिलों में उगाई जाती है। पिछले सीजन में कुछ हिस्सों में पिंक बॉल वर्म से कपास की फसल को नुकसान हुआ था। कपास में गुलाबी सुंडी के गंभीर खतरे को कम करने के लिए एचएयू विशेष भूमिका निभाएगा। एचएयू कृषि विभाग के साथ मिलकर कपास उत्पादक जिलों के लगभग 85 प्रतिशत गांवों में किसानों को कृषि मेला, संगोष्ठी, प्रशिक्षण, सोशल मीडिया के जरिये प्रशिक्षण देगा। कृषि विभाग ने साप्ताहिक गतिविधि कैलेंडर तैयार किया है।

ऐसे नुकसान करती है गुलाबी सुंडी

गुलाबी सुंडी कपास के पौधे पर फूल से टिंडे के अंदर चली जाती है। टिंडे के अंदर बिनौले का रस चूस जाती है। इससे कपास की गुणवत्ता खराब हो जाती है और वजन भी नहीं रहता। गुलाबी सुंडी की प्रजनन क्षमता भी बहुत ज्यादा है। कपास के एक खेत से दूसरे खेत में कुछ दिनों में फैल जाती है। प्रदेश के सभी कपास बिजाई वाले जिलों में गुलाबी सुंडी का असर है।

“ कपास की फसल के लिए सही तरह से मैनेजमेंट जरूरी है। किसान समय पर अपनी फसल का निरीक्षण करते रहें। कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार ही फसलों पर छिड़काव करें।

डॉ. अनिल जाखड़, असिस्टेंट साइंटिस्ट, एचएयू

कृषि अधिकारियों की सलाह

किन दवाओं का करें छिड़काव

कपास की फसल में हरा तेला एवं सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए एफिडोपायरोपेन (सेफीना) 50 जी/एल डीवी की 4 मिलीलीटर मात्रा (20 ग्राम क्रियाशील तत्व) को 200-250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। इसके अलावा बीटी कपास से अधिक उत्पादन लेने के लिए बौकी बनने की अवस्था, अधिकतम फूल बनने की अवस्था एवं टिंडे बनने की अवस्था पर सिंचाई या बारिश से पूर्व एवं बाद (12 घंटे के भीतर) में एनएए की 25 मिली. और कोबाल्ट क्लोराइड की एक ग्राम मात्रा को 100 लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।

- गुलाबी सुंडी के प्रकोप की निगरानी, नियंत्रण के लिए दो फेरोमोन ट्रैप प्रति एकड़ की दर से कपास की फसल में बिजाई के 40 से 45 दिन बाद अवश्य लगाएं। फूल डोडी, फूल आने की अवस्था और टिंडे बनते समय कपास में गुलाबी सुंडीसुंडी के प्रकोप की निगरानी के लिए प्रतिदिन सुबह-शाम खेत का निरीक्षण करते रहें।
- गुलाब की शक्ल वाला फूल गुलाबी सुंडी के आक्रमण का प्रतीक है। बिजाई के 60 दिन बाद एक छिड़काव नीम आधारित कीटनाशक का 5 मिली लीटर प्रति लीटर के हिसाब से करें। गुलाबी सुंडी से प्रभावित नीचे गिर टिंडों, फूल डोडी, फूल आदि को एकत्रित कर नष्ट कर दें।